विद्याभवन, बालिका विद्यापीठ लखीसराय

वर्ग सप्तम्

विषय-हिन्दी

समुच्चय बोधक की परिभाषा, प्रकार और नियम

- HTIPS
- 01/01/2020

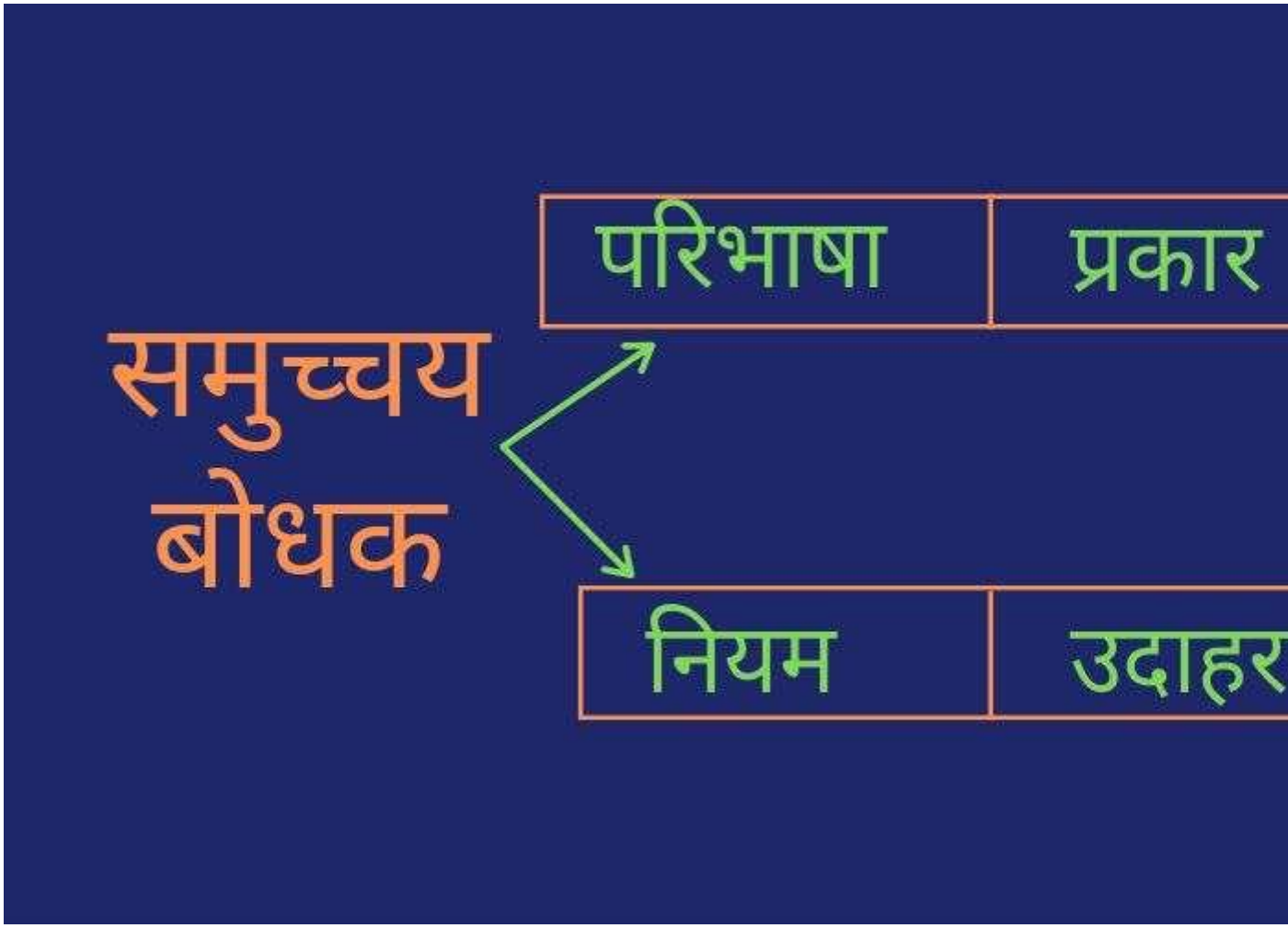

इस पेज में आप समुच्चय बोधक की परिभाषा, प्रकार नियम और उदाहरण को विस्तार पूर्वक पढ़ेंगे, जो सभी प्रकार की परीक्षाओं की दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं तो चलिए समुच्चयबोधक के बारे में पढ़ना शुरू करते हैं।

समुच्चय बोधक

ऐसे शब्द जो दो या दो से अधिक शब्द, वाक्य या वाक्यांशों को जोड़ने का काम करते हैं, वे शब्द समुच्चयबोधक कहलाते हैं इन समुच्चयबोधक शब्दों को योजक भी कहा जाता है।

जहाँ पर किन्तु, परन्तु, इसीलिए, बल्कि, तब, ताकि, वरना, क्योंकि, या, अथवा, एवं, तथा, अन्यथा आदि शब्द जुड़ते हैं वहाँ पर समुच्चयबोधक होता है। इन समुच्चयबोधक शब्दों को योजक शब्द भी कहा जाता है।

कुछ शब्द जब भेद प्रकट करते हैं तब भी शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ते हैं इसे अव्यय का एक भाग माना जाता है इसी वजह से इसे समुच्चयबोधक अव्यय भी कहा जाता है।

उदाहरण :
आयुष ने कड़ी मेहनत की और सफल हुआ।
उसने बहुत समझाया लेकिन किसी ने उसकी बात नहीं मानी।
अगर तुम बुलाते तो मैं जरुर आता।
श्रुति और गुंजन पढ़ रहे हैं।
सीता ने बहुत मेहनत की फिर भी सफल नहीं हुई।
ऊषा बहुत तेज़ दौड़ी लेकिन प्रथम नहीं आ सकी।
राम और श्याम आपस में बातें कर रहे हैं।

क्या हुआ वह धनवान है लेकिन कंजूस है।

समुच्चयबोधक के प्रकार